Azadi Ka Amrit Mahotsav

Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) is a landmark initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence and the glorious history of it's people, culture, and achievements. This Mahotsav is dedicated to the people of India who have not only been instrumental in bringing India thus far in its evolutionary journey but also hold within them the power and potential to enable Prime Minister Narendra Modi's vision of activating India 2.0, fuelled by the spirit of Aatmanirbhar Bharat.

The official journey of Azadi ka Amrit Mahotsav commenced on 12th March 2021 from Sabarmati Ashram where a symbolic 'Dandi Yatra' was flagged off by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. This started a 75-week countdown to our 75th anniversary of Independence and will conclude, post a year on 15th August, 2023.

Azadi Ka Amrit Mahotsav has been powered by the enthusiasm, love for the nation and participation of all stakeholders. The events and initiatives of Amrit Mahotsav cover the length and breadth of India and the world. Till date more than 1.5 lakh events have been held under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav. These events have happened across different locations within India covering all of the States and Union Territories as well as across 150+ countries, globally.

Amrit Mahotsav events are high on Janbhagidari (people participation) bringing in people from all walks of life representing a 'Whole of Society' approach with many programmes and events being directly initiated by organisations and groups representing civil society.

During the Har Ghar Tiranga initiative, held in August 2022, more than 6 crore selfies with flag were recorded and people from all walks of life joined the Tiranga Rallies being held across the length and breadth of India and across foreign locations.

A key feature of Amrit Mahotsav is the commemoration of Unsung Heroes of freedom struggle & highlighting the role of people in our Independence movement. The AKAM website has a special section on Unsung Heroes which is an attempt to recall and remember forgotten heroes of our freedom struggle, many of whom might be renowned yet unknown to the new generation. Different events commemorating birth and death anniversaries of freedom fighters and important milestones connected to the struggle for Independence are an important part of the AKAM event calendar. Picture books that chronicle the contributions of women and tribals in the freedom struggle of India have also been released to enable children to easily connect with the stories that facilitated our freedom and progress over time.

Digital District Repository is another special initiative of AKAM that chronicles district wise narratives of our history and heritage. It stemmed from the central thought that history is not only about the landmark events, it finds shape and character in the myriad events that led up to a flashpoint of change. Interesting facts that there are prison cells in IIT or that 2 freedom fighters were shot dead inside what is now an IIT in an incident, known later as the "Hijli firing", when twenty nine rounds were fired on unarmed prisoners, have been highlighted over events.

Amrit Mahotsav is also about looking towards the future as we navigate through 'Amrit Kaal' (the Journey from Now to India@100). One important aspect of looking into the future is spotlighting and celebrating startups, entrepreneurs, and innovation. Smart India Hackathon 2022 is a nationwide initiative to provide students a platform to solve some of the pressing problems we face in our daily lives, and thus inculcate a culture of product innovation and a mindset of problem solving. Another part of fueling a growth culture is encouraging curiosity and celebrating the role of science & scientists in the progress of our nation. A week-long event titled 'Vigyan Sarvatra Pujyate' was held last year in 75 locations across the length and breadth of the country. To honor this intent, it will be repeated this year with increased scope and scale. 'Swadeshi Scientists' is a series of event curated as part of Amrit Mahotsav that chronicles the role of scientists in the freedom struggle and in helping realize India's 'Atmanirbhar' goals.

Department of Posts is delighted to issue Commemorative Postage Stamp, on Azadi Ka Amrit Mahotsav and salutes to the Spirt of India, proud of its rich past & heritage and committed to the future of Viswa Guru Bharat.

Credits:

Text	:	Ministry of Culture
Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation cachet	:	Shri Sankha Samanta



भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



आज़ादी का अमृत महोत्सव
AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

विवरणिका
BROCHURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का अमृत महोत्सव, भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष और भारतीयों के गौरवमय इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह महोत्सव न केवल उन भारतीयों को समर्पित है, जो देश को उसके विकास के सफर में इस मुकाम तक पहुंचाने में सहायक रहे, बल्कि यह उन लोगों के लिए भी है, जिनमें 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना से ओत–प्रोत तथा माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित भारत 2.0 का निर्माण करने की शक्ति एवं सार्मथ्य भी है।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का आधिकारिक शुभारंभ 12 मार्च, 2021 को साबरमती आश्रम से हुआ, जहां माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'दांडी यात्रा' की सांकेतिक शुरुआत की गई। इसी दिन से भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह का काउंटडाउन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जोकि 15 अगस्त, 2023 को संपन्न होगा।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' की शक्ति जनसामान्य के उत्साह, देशप्रेम और सभी प्रतिभागी पक्षों की इस उद्देश्य के प्रति भागीदारी में निहित है। अमृत महोत्सव से संबंधित कार्यक्रम और पहलें देश–विदेश के कोने–कोने में आयोजित किए जा रहे हैं। अभी तक 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 1.5 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। ये कार्यक्रम, सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करते हुए समस्त भारत सहित विश्वभर के 150 से अधिक देशों में आयोजित किए गए हैं।

अमृत महोत्सव के कार्यक्रम मुख्यतः जनभागीदारी पर आधारित हैं, जिनमें समाज के सभी वर्गों के लोगों को शामिल करते हुए समावेशी समाज को प्रतिबिंबित किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक कार्यक्रमों की पहल, सिविल सोसाइटी का प्रतिनिधित्व कर रहे संगठनों और समूहों द्वारा की गई है।

अगस्त, 2022 में चलाए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत, राष्ट्रीय ध्वज के साथ 6 करोड़ से अधिक सेल्फी रिकॉर्ड की गई। इसके अतिरिक्त, समाज के हर वर्ग के लोगों ने देश के कोने–कोने और विदेशों में आयोजित तिरंगा रैलियों में भी भाग लिया।

अमृत महोत्सव का एक मुख्य आयाम स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों को याद करना और आज़ादी की लड़ाई में उनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित करना है। आज़ादी का अमृत महोत्सव की वेबसाइट पर गुमनाम नायकों के विषय में एक अलग सेक्शन है, जोकि हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के उन भूले–बिसरे सेनानियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि देने का प्रयास है, जिनका योगदान तो अत्यंत महत्वपूर्ण था, परंतु नई पीढ़ी उससे परिचित नहीं है। स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और पुण्यतिथि तथा स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम, आज़ादी का अमृत महोत्सव कैलेंडर का अभिन्न अंग हैं। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं और जनजातीय समूहों की भागीदारी दर्शाती पिक्चर बुक्स भी जारी की गई हैं, ताकि बच्चे उन लोगों के बारे में कहानियों को जान सकें, जिन्होंने हमारी आज़ादी और समय के साथ विकास में महती भूमिका निभाई है।

'डिजिटल डिस्ट्रिकट रिपॉजिटरी', आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक अन्य विशेष पहल है, जिसमें हमारे इतिहास और धरोहर को जिलावार दर्शाया गया है। इस अवधारणा के पीछे की मूल भावना यह है कि इतिहास केवल महत्वपूर्ण घटनाओं से ही नहीं बनता बल्कि इसे आकार और स्वरूप देने में अनेक अन्य घटनाएं भी शामिल होती हैं, जो बड़े परिवर्तन का आधार बनती हैं। ऐसी ही महत्वपूर्ण घटनाओं में एक घटना यह है कि आज के एक आईआईटी के परिसर में एक ऐसा स्थान है, जहां गुजरे जमाने के कैदखाने मौजूद हैं। इन्हीं में से एक में दो स्वतंत्रता सेनानियों को गोली मार दी गई थी। इस घटना को 'हिजली फायरिंग' के नाम से जाना जाता है। इसमें निहत्थे कैदियों पर 29 राउंड फायरिंग की गई थी।

अमृत काल (अब से भारत के 100 वर्ष पूरे होने का सफर) के इस दौर में अमृत महोत्सव का अर्थ भविष्योन्मुखी होना भी है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्टार्ट–अप कंपनियों, उद्यमियों और नवाचार पर फोकस करने और उन्हें बढ़ावा देने की आवश्यकता है। स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन 2022 एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जोकि विद्यार्थियों को उन समस्याओं का हल ढूंढने के लिए प्लैटफॉर्म प्रदान करती है, जिनका सामना वे दैनिक जीवन में करते हैं। इस प्रकार, यह युवाओं में उत्पाद संबंधी नवाचार की संस्कृति तथा समस्याओं का हल खोजने की शक्ति विकसित करती है। विकास की संस्कृति को बढ़ावा देना, जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना और राष्ट्र की प्रगति में विज्ञान और वैज्ञानिकों की भूमिका के महत्व को भी रेखांकित करता है। विगत वर्ष 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' विषय पर देशभर के 75 विभिन्न स्थानों पर 7 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष यह कार्यक्रम और अधिक बड़े पैमाने पर किया जाएगा। अमृत महोत्सव के भाग के रूप में 'स्वदेशी वैज्ञानिक' शृंखला भी तैयार की गई है, जो आज़ादी की लड़ाई के साथ–साथ भारत के 'आत्मनिर्भरता' संबंधी लक्ष्य को प्राप्त करने में वैज्ञानिकों की भूमिका को दर्शाती है।

डाक विभाग, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और अपने समृद्ध इतिहास एवं विरासत पर गर्व करते और भविष्य में 'विश्व गुरू भारत' बनने के संकल्प के प्रति भारत के जज्बे को सलाम करता है।

आभार :

पाठ्य : संस्कृति मंत्रालय

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : श्री शंख सामंत

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्य	: 500 पैसे (2)
Denomination	: 500 p (2)
मुद्रित डाक टिकटें	: 201600 प्रत्येक
Stamps Printed	: 201600 each
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00